

महावाणी - विश्वकल्याण की वाणी

१५/१०/२०२६

ॐ परमात्मने नमः

परमात्मा सतगुरु जी को नमस्ते। परमात्मा सतगुरु जी को यह सेवा समर्पण है।

सभी आत्माएं अपने लाइट के स्वरूप में, मूलस्वरूप में अपने सीट पर सेट हो जाएं... सभी अपना मूलस्वरूप स्पष्टता से अनुभव करें... देखिए आपके मूलस्वरूप से लाइट निकल रही है... सभी अपने लाइट को देखने का प्रयास करें... सभी अपने लाइट को गहराई से फील करें... आप आत्मा से, आपके मूलस्वरूप से लाइट निकल रही है, कुछ क्षणों के लिए अनुभव करें...

क्या सभी ने अपने मूलस्वरूप स्थिति का अनुभव किया? सभी आत्माएं जागृत हो जाएं अपने कल्याण अर्थ, अपने परिवर्तन अर्थ। संगमयुग में आत्माओं का सदैव सिर्फ एक ही लक्ष्य होता है — अपनी आत्मा का कल्याण करना और आत्म-परिवर्तन करना। संगमयुग में आत्माओं के पास टाइम को पास करने के लिए, टाइम पास करने के लिए कोई समय नहीं है। आत्माओं को अपने ऊपर बहुत काम करना बाकी है। आत्माओं को अपनी उस ऊंच अवस्था को उपलब्ध होना बाकी है।

आत्माएं अगर चाहती हैं अगले युग में, वो सतयुग में पार्ट बजाने के लिए पहुंच जाएं, तो उससे पहले सभी आत्माओं को अपने लक्षणों को चेक करना आवश्यक है। सभी आत्माएं चेक करें कि सतयुग में जो देवताई संस्कार हैं, क्या उनमें से कुछ संस्कार आपके अंदर आए हैं? देवताओं जैसा उठना, बैठना, बात करना, देखना, चलना, फिरना, व्यवहार करते समय सदैव अपनी ऊंच अवस्था में रहना, चेहरे पर सदैव हल्की मुस्कराहट रखना — सभी आत्माएं अपने यहां के लक्षण चेक करें। यहां पर आप अभी जिस अवस्था में हो, क्या यहां पर आपके अंदर देवताओं समान कोई संस्कार धारणा में आए हैं? हर कोई अपने संस्कारों को देखे।

सबसे पहले देवताओं का संस्कार है — आत्मिक व्यवहार। सतयुग में किसी भी आत्मा की दृष्टि सामने वाले आत्मा के देह पर नहीं जाती। सतयुग में जो भी व्यवहार होता है, आपस में बात करना होता है, वह आत्मिक व्यवहार से, भृकुटी में देखकर वह व्यवहार होता है। तो सभी आत्माएं अपना आत्मिक व्यवहार चेक करें कि अभी इस समय आपके अंदर आत्मिक व्यवहार कितना धारणा में आया है? हर कोई अपनी-अपनी चेकिंग करें।

आपको आपके सभी संस्कारों का पता होना आवश्यक है। आपको आपका शरीर का चेहरा बीच-बीच में आईने में जाके देखना चाहिए कि अभी इस समय हमारा, मुझ आत्मा का शरीर का चेहरा कैसे दिख रहा है? जब आप खुद ही आपके चेहरे को आईने में देखेंगे, आपको समझ में आएगा आप आत्मा की स्थिति कैसी है। कोई और आपको बताने की भी जरूरत नहीं, आप अपने आप से ही चेक कर सकते हो कि मुझ आत्मा के शरीर का चेहरा इस समय कैसे दिख रहा है। क्या चेहरे से आत्मिक व्यवहार की ऊर्जा फील हो रही है? क्या चेहरे पर आंतरिक खुशी, आंतरिक शांति दिख रही है? क्या चेहरे से आत्मा की खुशी झलक रही है? क्या चेहरे से आत्मा की शांति झलक रही है? अगर नहीं झलक रही, तो आप समझ जाना आपको देखकर किसी को भी शांति या खुशी की अनुभूति नहीं होती है। अगर आप ही आपके चेहरे को आईने में देखकर, आपको ही वह गुण-शक्ति अनुभव नहीं हो रही है, तो सामने वाले को भी जब-जब आपको देखेंगे, उनको वह शांति, वह खुशी कैसे अनुभव होगी? इसलिए पूरे दिन भर में जब भी समय मिले, अपने चेहरे को आईने में जरूर देखना। फिर आपको पता चलेगा, “मुझ आत्मा की अभी फिलहाल शांति की स्थिति नहीं है, इसलिए मुझ आत्मा के शरीर के चेहरे से शांति के वाइब्रेशन फील नहीं हो रहे हैं।” तो कुछ समय मूलस्वरूप का अभ्यास करें। मूलस्वरूप में अपने सीट पर सेट होकर, आत्मा अपने शांति की शक्ति को ऑर्डर करे — “हे मेरी शांति की परमात्म शक्ति, मुझ आत्मा को शांति का अनुभव कराएं” और आप आत्मा आपकी शांति के ऊर्जा बिंदु को, जो आपकी शांति की परमात्म शक्ति है, आत्मा के अंदर है, उसे देखते रहना; और फिर आप अनुभव करना आप आत्मा के अंदर शांति की अनुभूति

आपको महसूस होगी, वही शांति की ऊर्जा, शांति के वाइब्रेशन आपके चेहरे पर दिखाई देंगे, वही शांति के वाइब्रेशन आपके शरीर के ओरा में महसूस होंगे।

आत्मा अपने सभी गुणों और शक्तियों को ऑर्डर देके उन सभी को अपने कार्य में लगा सकती है। किंतु ऑर्डर देने से पहले आत्मा को अपने सीट पर सेट होना, अपने मूलस्वरूप में स्थित रहना जरूरी है। आपकी गुण-शक्तियां आप आत्मा की ऑर्डर तब ही मानेंगे, जब आप आत्मा आपके सीट पर सेट होते हो, अपने मूलस्वरूप स्थिति में रहते हो और मूलस्वरूप स्थिति में रहकर, आप उन गुण-शक्तियों को ऑर्डर करते हो। आप आत्मा के अंदर सभी गुण-शक्तियां हैं। आपको जब जिस गुण और शक्ति की जरूरत होती है, आप आत्मा मालिक हो। आपको सिर्फ सीट पर सेट होना है और अपने गुण और शक्तियों को ऑर्डर देनी है, फिर वह गुण-शक्तियां अपना काम करेंगे।

आत्मा को कुछ करना नहीं पड़ता, आत्मा सदैव मालिक है। पर वह कब मालिक रहेगी? जब अपने मूलस्वरूप स्थिति में सीट पर सेट रहती है, तभी आत्मा मालिक स्वरूप रहती है। पर आत्मा अगर भूल जाए कि वो मालिक है और सीट पर सेट ना हो और वो खुद ही कर्म करने लग जाए, तो थकान आएगी। बहुत जल्दी कर्म करते-करते आपको थकान महसूस होगी, क्योंकि जो कार्य आत्मा का है ही नहीं, वह कार्य आत्मा करने लगी। आत्मा मालिक है, आत्मा का काम एक ही है — उसके गुण और शक्तियों को ऑर्डर देना सीट पर सेट होकर। फिर गुण और शक्तियां कर्मों में वह काम करते हैं। इसलिए जब आत्मा सीट पर सेट होकर ऑर्डर करेगी, तब आत्मा को कभी भी किसी भी रूप से थकान महसूस नहीं होगी। आत्मा उन कर्मों का आनंद करेगी, उन कर्मों को साक्षी होके देख पाएगी कि कैसे गुण और शक्तियां वह कर्म कर रहे हैं। आत्मा का काम है सिर्फ अपने सीट पर सेट होकर सभी गुण-शक्तियों को ऑर्डर देना, क्योंकि आत्मा मालिक है।

सभी गुण-शक्तियां भी आत्मा मालिक की ऑर्डर कब मानेंगे? जब आत्मा की कॉर्ड हर एक गुण-शक्तियों से कॉन्ससियसली जुड़ी हुई होगी। इसके लिए सबसे पहले, आत्मा को अपने सभी गुण-शक्तियों से कॉन्ससियसली, आप आत्मा से कॉर्ड उन गुण-शक्तियों के साथ कनेक्ट करना जरूरी है।

आत्मा अपने सीट पर सेट हो जाए और देखे अपने मन को, बुद्धि को, संस्कार को। आत्मा के अंदर १६ गुण-शक्तियां हैं। देखिए, आत्मा अपने सीट पर सेट है, सामने बुद्धि, परमात्म शक्ति, जो आत्मा की सूक्ष्म कर्मेन्द्रियां हैं। देखिए अपने बुद्धि को.. और आत्मा से तार निकलकर बुद्धि के क्वांटा में पहुंच गयी, आत्मा से कॉर्ड बुद्धि में पहुंच गयी।

अभी देखें अपने मन को.. आत्मा से कॉर्ड निकलके मन के क्वांटा में पहुंच गयी, आत्मा की कॉर्ड मन से कनेक्ट हो गयी।

देखें आपके संस्कार को.. आत्मा से कॉर्ड निकलकर आपके संस्कार, इस परमात्म शक्ति में कनेक्ट हो गयी।

अब देखें शांति की परमात्म शक्ति.. आप आत्मा की ही शक्ति है वह। आप आत्मा से कॉर्ड निकलके शांति के क्वांटा से कनेक्ट हो गयी।

अब देखें पवित्रता की परमात्म शक्ति.. आप आत्मा से कॉर्ड निकलके पवित्रता की परमात्म शक्ति से, पवित्रता के क्वांटा से कनेक्ट हो गयी।

अब देखें आप आत्मा का सुख का पॉइंट, सुख की परमात्म शक्ति.. आप आत्मा से लाइट निकलके आपके सुख के परमात्म शक्ति के क्वांटा से कनेक्ट हो गयी, आप आत्मा की कॉर्ड सुख के क्वांटा से कनेक्ट हो गयी।

अब देखें आप आत्मा की प्रेम की परमात्म शक्ति.. आप आत्मा से प्रेम की.. आप आत्मा से लाइट के रूप में कॉर्ड आपके प्रेम के परमात्म शक्ति के क्वांटा में पहुंच गयी।

अब देखें आप आत्मा की शक्ति की परमात्म शक्ति, शक्ति का ऊर्जा बिंदु.. आप आत्मा से कॉर्ड लाइट के रूप में निकलकर शक्ति के क्वांटा से कनेक्ट हो गयी।

अब देखें आप आत्मा की सहनशक्ति की परमात्म शक्ति.. आप आत्मा से कॉर्ड लाइट के रूप में निकलके सहनशक्ति के क्वांटा से कनेक्ट हो गयी।

अब देखें परखने की शक्ति.. आप आत्मा की परखने की परमात्म शक्ति, आप आत्मा से कॉर्ड निकलके आपके परखने की शक्ति के क्वांटा से कनेक्ट हो गयी।

अब देखें आपकी समाने की शक्ति.. आप आत्मा से कॉर्ड निकलके आपके समाने की शक्ति के क्वांटा से कनेक्ट हो गयी।

अब देखें आपकी सामना करने की शक्ति.. आप आत्मा से कॉर्ड निकलके आपके सामना करने की शक्ति से कनेक्ट हो गयी।

अब देखें आप आत्मा की सहयोग शक्ति.. आप आत्मा से लाइट निकलके आपके सहयोग शक्ति के क्वांटा से कनेक्ट हो गयी।

अब देखें आपकी बुद्धि जिसके अंदर निर्णय शक्ति है.. आप आत्मा से कॉर्ड निकलके आपके निर्णय शक्ति के क्वांटा से कनेक्ट हो गयी।

अब देखें आपकी नम्रता की परमात्म शक्ति.. आप आत्मा से कॉर्ड निकलके आपके नम्रता की शक्ति के क्वांटा से कनेक्ट हो गयी।

अब देखें आप आत्मा की दृढ़ता की शक्ति.. आप आत्मा से कॉर्ड निकलके आपकी दृढ़ता की शक्ति से कनेक्ट हो गयी।

अब देखें आप आत्मा की अंतर्मुखता की शक्ति.. आप आत्मा से कॉर्ड निकलके अंतर्मुखता की शक्ति से कनेक्ट हो गयी।

अब देखें आप आत्मा की आनंद की परमात्म शक्ति.. आप आत्मा से कॉर्ड निकलके लाइट के रूप में, वह लाइट आप आत्मा के आनंद के परमात्म शक्ति से कनेक्ट हो गयी।

उस ही आनंद के परमात्म शक्ति में है समेटने की शक्ति। देखें, आप आत्मा से कॉर्ड कनेक्ट, निकलकर आपके समेटने की शक्ति के क्वांटम से कनेक्ट हो गयी।

इस प्रकार से आप आत्मा को सबसे पहले आपके सभी गुण-शक्तियों से, आप आत्मा से कॉर्ड, आप आपके सभी गुण-शक्तियों से कनेक्ट करना जरूरी है। फिर आप आत्मा आपके सीट पर सेट होकर, मूलस्वरूप स्थिति में रहेकर, उन गुण-शक्तियों के ऑर्डर देकर उनसे कर्म करा सकते हो, उनको चला सकते हो। रोज सभी आत्माओं को, अपने सभी गुण-शक्तियों से आप आत्मा की कॉर्ड कनेक्ट करना जरूरी है। साथ ही साथ आप आत्मा के सभी गुण और शक्तियों को, आप आत्मा से सकाश सभी गुण-शक्तियों को मिलना जरूरी है। कॉन्ससियसली आप आत्मा को आपके सभी गुण-शक्तियों को कुछ सेकंड के लिए ही सही, पर सकाश देना जरूरी है। जितना आप आत्मा इन गुण-शक्तियों को सकाश देंगे, उतना यह सभी गुण-शक्तियां आपके सेवा में तत्पर रहेंगे, आप आत्मा मालिक की ऑर्डर को जल्दी सुनेंगे और कर्मों में लाएंगे। पर आत्मा को कॉन्ससियसली अपने सभी गुण और शक्तियों को सकाश देना जरूरी है और उनसे रोज कम से कम सुबह उठने के बाद, आप आत्मा से सभी गुण-शक्तियों से कॉर्ड कनेक्ट करना जरूरी है। यह विधि सभी आत्माएं रोज अवश्य करें, फिर आप आपके अंदर परिवर्तन को देखते जाना।

जब-जब आपको लगे कि आपके अंदर यह ऐसा संस्कार ठीक नहीं है, तो आप आत्मा अपने सीट पर सेट होकर संस्कार के आपके परमात्म शक्ति को ऑर्डर दे सकती है कि, “हे मेरे संस्कार की परमात्म शक्ति, मुझ आत्मा को इस प्रकार का संस्कार नहीं चाहिए।” और उस संस्कार को भी फिर से बताना है कि, “हे मेरे संस्कार के परमात्म शक्ति, इसके बदले में मुझ आत्मा के अंदर इस प्रकार का संस्कार धारणा में आ जाए।” आप आपके संस्कार के शक्ति को ऑर्डर दे सकते हैं। पर सबसे पहले आप आत्मा की ऊर्जा, कॉर्ड के रूप में आपके संस्कार की शक्ति से कनेक्ट होना जरूरी है। तब ही आप आत्मा की संस्कार की

परमात्म शक्ति, आप आत्मा मालिक की ऑर्डर सुनेगी और उस प्रकार का संस्कार आपके अंदर से हटा देगी, और जिस प्रकार का संस्कार आप आत्मा चाहते हो, वह संस्कार आपके अंदर धारणा में लाएगी। यह सब ऑटो प्रोसेस में आगे हो जाएगा।

यही अभ्यास संगमयुग में सभी आत्माओं को करना आवश्यक है। इसलिए संगमयुग में, बाहरी किसी के भी कोई भी बातों में जाने का समय आत्माओं के पास बिल्कुल भी नहीं है। सभी आत्माएं अपने समय को वैल्यू दें और अपने एक-एक गुण-शक्तियों की ऑर्डर में चलाने की प्रैक्टिस करें, उसका अभ्यास करें और देखें कि क्या आपके गुण और शक्तियां आप आत्मा मालिक के ऑर्डर के अनुसार चल पाती हैं? अगर नहीं चल पा रही, तो आप आत्मा को उस गुण और शक्ति को आप आत्मा से सकाश देना जरूरी है। लंबे समय से आप आत्मा ने आपके गुण-शक्तियों से बात नहीं की है। आप आत्मा आपके आत्मिक स्थिति में ना होने के कारण, आपका व्यवहार बॉडी कॉन्ससियसनेस का होने के कारण आप आत्मा भूल गयी हो कि आपके अंदर ही सभी आपकी सूक्ष्म कर्मेन्द्रियां हैं, सभी सूक्ष्म शक्तियां हैं, ऊर्जाओं के रूप में हैं जो आपके मददगार हैं। आप आत्मा उनसे बात ना करने के कारण, आपकी उनके साथ कॉर्ड कनेक्ट नहीं रही है, इसलिए आप आत्मा की ऑर्डर को गुण-शक्तियां आगे प्रोसेस नहीं कर पाती हैं।

इसलिए आप आत्मा की सबसे पहली फैमिलि है, आप आत्मा के सभी गुण-शक्तियां। रोज सभी गुण-शक्तियों के साथ आप आत्मा को कुछ सेकंड के लिए बातें करना जरूरी है, ताकि आप आत्मा की ऊर्जा आपके गुण-शक्तियों में जाती रहेगी। आप आत्मा से आप ही के गुण-शक्तियां फैमिलियर रहती जाएंगे और बहुत जल्दी आप आत्मा का रिश्ता आप ही के गुण-शक्तियों के साथ अच्छे से हो जाएगा; और जब आप आत्मा का आप ही के गुण-शक्तियों के साथ बहुत गहरा रिश्ता हो जाएगा, तो आप आत्मा मालिक की हर ऑर्डर को आपकी गुण-शक्तियां कर्मों में लाती जाएंगी। यही है स्वराज्य अधिकारी की स्टेज।

किसी न किसी गुण या शक्ति से आप शुरुआत कर सकते हो। धीरे-धीरे सभी गुण-शक्तियों से आप फैमिलियर हो जाएंगे। पर उसके लिए थोड़ा समय लगेगा। पहले आत्मा को कॉन्ससियसली बैठकर हर एक गुण-शक्ति के साथ बात करना होगा, हर एक गुण-शक्ति के साथ अपनी कॉर्ड कनेक्ट करनी होगी, हर एक गुण-शक्ति को आप आत्मा को सकाश देना होगा। फिर आप आपके अंदर परिवर्तन बहुत तेजी से पाते जाओगे। आपको जिन-जिन संस्कारों से, आदतों से मुक्त होना है, उनसे आप बहुत जल्दी मुक्त हो जाओगे।

इसलिए संगमयुग की पहली शिक्षा है, जो परमात्मा ने दी है — किसी के भी किसी भी बात में नहीं जाना — न मन से जाना, न वाणी से जाना, न कर्म से जाना। आप आत्मा के पास बहुत काम है आपके परिवर्तन का। इसलिए सभी आत्माएं सिर्फ अपने ऊपर ध्यान दें, क्योंकि समय की घंटी कब बज जाएगी यह किसी को पता नहीं है। इसलिए जो समय हर किसी के पास है, अपने परिवर्तन में लगाते जाना और अपना परिवर्तन करते जाना।

सभी को नमस्ते।

ॐ परमात्मने नमः